Institut National des Langues et Civilisations Orientales
Année universitaire 2011-2012 - 1er semestre 1ère session

Département Asie du Sud / Hindi L1 / Contrôle continu-Contrôle terminal
HIN1A01b : Structures élémentaires de la langue et thème
Jeudi 19 janvier 2012 - durée de l'épreuve : 2 heures
Enseignant responsable : M. Gricourt
L'usage de tout matériel électronique, document ou ouvrage est interdit
Corrigé-type

Première partie : traduisez en hindi
10 questions **au choix** (50 % ; 10 points) :

१) अरे, इस चाय में चीनी/शकर/शक्कर नहीं है ? (इसे) किसने बनाया है (इसे) [यह किसने बनाई (है)] ? कोई नहीं पिएगा ! बावरची को बुलाओ !

२) — अंग्रेज़ी की चारों अध्यापिकाएँ आज सुबह/सवेरे कहाँ थीं ? — वे नए छात्रों के नाम लिख रही थीं।

३) हमारे हिन्दी के अध्यापक की दोनों बेटियाँ मेरे छोटे भाई की कक्षा/के क्लास में पढ़ती हैं । (कल) उन्होंने (कल) उसे/उसको एक गाना सिखाया (है) [सिखा दिया (है)]।

४) (पिताजी) कारख़ाने से निकलकर (पिताजी) (बाज़ार) सीधे/सीधा (बाज़ार) चले जाते थे/जाते थे/चलते थे जहाँ वे हमारे लिए/हम लोगों के लिए तरह-तरह के फल ख़रीदते थे ।

५) डेढ़ बज गया (है)/बज रहा है ! तुम्हें/तुमको भूख नहीं लग रही/लगी [है/लगी है] ? [हम लोग] ज़रा यहाँ रुकें और/यहाँ ज़रा रुककर अपने समोसे खाएँ/खा लें ।

६) हमारे पड़ोसी का बेटा/लड़का बहुत/बड़ा बदमाश था : वह दूसरे बच्चों को बाग़ीचे/बग़ीचे/बाग़ में [नहीं] खेलने (नहीं) देता था ।

७) जब मैं भारत गई तो मैं तरह-तरह के लोगों से मिली और (मैंने) उनसे हिन्दी में बात की । [तो मैंने ... मिलकर उनसे...]

८) वे मुझे/मुझको/मेरी बात/बातें सुनकर बहुत खुश होते थे [मेरी बातें सुनकर उनको बड़ी खुशी होती थी] और कई छात्राओं ने मुझे अपने यहाँ/घर बुलाया/दावत दी ।

९) मैं अपने घर से ढाई बजे (तो) निकला लेकिन मुझे बस जल्दी नहीं मिली । और कॉलेज जाने में सवा घंटा लगा ।

१०) मेरी बहन को रूसी कम आती थी [मेरी बहिन रूसी कम जानती थी] लेकिन उसे रूसी लोकसंगीत में बहुत/बड़ी दिलचस्पी [होती] थी । बुलात ओकुजवा/अकुद्जवा के गाने भी उसे ख़ास तौर पर/से अच्छे लगते थे ।

११) — क्या तुम्हें पता/मालूम है ? तुम्हारे भाई की तसवीर/तस्वीर अख़बार में छपी है/छप गई है / का फ़ोटो समाचार-पत्र में छपा है/छप गया है ! — (ज़रा) दिखाओ (ज़रा) / दिखा दो । अरे नहीं, यह तो उसकी तसवीर नहीं है । तुमने ठीक से नहीं देखा ।

१२) — तुमने कल रात/शाम की दावत में कुछ क्यों नहीं खाया ? — वे मुर्ग़-मखनी लाए थे, मैं तो शाकाहारी हूँ, ऐसी चीज़ें/ऐसे पकवान नहीं खाना चाहती ।

Deuxième partie : complétez et suivez les consignes
10 questions **au choix** (50 % ; 10 points)

1) a) क्या किसी ने समोसे बनाए हैं ?

b) तुम छात्राओं के लिए साड़ियाँ लाए हो ?

2) a) उन्होंने बच्चों को दो फ़िल्में दिखाईं ।

b) तुम वहाँ किस-किस से मिलीं ?

3) a) छात्रों ने मुझे एक-एक समोसा दिया था ।

b) अध्यापिका छात्रों को लायब्रेरी ले गई थी/थीं ।

4) a) छात्रों ने होस्टल से निकलकर रिकशा बुलाया ।

b) राधा कुछ देर आराम करके बाज़ार चली गई थी ।

5) a) माँ सब/सभी छात्राओं के लिए समोसे बना रही थी/थीं ।

b) माँ ने मेरे पिता(जी) के लिए चाय बनाई थी ।

c) माँ ने ये जलेबियाँ किसके लिए बनाई हैं ? [माँ ने इन जलेबियों को किसके लिए बनाया है ? ces jalebis-ci]

d) माँ तुम्हारे लिए भी खाना बनाए ?

6) a) कोई बच्चा साढ़े आठ बजे के बाद टीवी नहीं देख सकता !

b) हो सकता है कि कल भी हड़ताल हो, हम कॉलेज नहीं जा सकेंगे (पाएँगे, ne réussirons pas, ne parviendrons pas à aller) ।

7) a) ... उनकी माँ (कभी) उनको/उन्हें आइस-क्रीम (कभी) (नहीं) खाने (कभी) (नहीं) देती थी !

b) ... गुण्डों ने उसे/उसको पुलिस को फ़ोन (नहीं) करने (नहीं) दिया ।

8) राहुल आम तौर पर जल्दी उठता है लेकिन पिछले सोमवार जब उसने आँख खोली तो दस बज रहे थे/बज गए थे ! वह अलार्म लगाना एक बार फिर भूल गया था और एक बार फिर कॉलेज देर से पहुँचा/पहुँच गया । यह लड़का सचमुच काफ़ी भुलक्कड़ है (हो सकता है/होता है/हो गया है) । जब भी मैं उसके घर जाना चाहता हूँ (चाहूँगा) तो मैं उसको पहले फ़ोन करता हूँ (करूँगा) ताकि वह कहीं और न चले बल्कि घर पर ही रहे !

9) - अपनी किताब मुझे दे दो और मेरी ले लो।

- नहीं, यह तो मेरी नहीं, सरोज के भाई की है । वह कल अपने भाई के साथ यहाँ आई और उसका भाई अपनी किताब छोड़कर मेरी ले गया ।

10) हम लोग श्रीमती शर्मा के यहाँ ढाई बजे पहुँचे लेकिन वे तो एक घंटे/घण्टे पहले, यानी डेढ़ बजे, निकली थीं । हमने आधा घंटा/आधे घण्टे इंतज़ार किया फिर घर लौट गए ।

11) कैसे लोग (कितने अजीब लोग) हैं ! वे (कभी) किसी से (कभी) कुछ नहीं कहते । क्या तुम्हें/तुमको उनसे बात करने का मौक़ा कभी मिला [पहले भी मिला (है)]?

12) अरे, राकेशजी, यहाँ आइए ! बैठिए ! दूसरे अध्यापकों से मिलिए । मैं आपके लिए क्या लाऊँ ? ... क्या, आप कुछ नहीं लेंगे ? ओहो, संकोच मत कीजिए ! चाय पीजिए, समोसे भी खाइए । यह समझिए कि यहाँ घर जैसा माहौल है ।